असंगठित क्षेत्र के मजदूर

2214. **श्री जनेश्वर मिश्र :** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या यह सच हैं कि भारत के 32 करोड़ मजदूरों में से 26 करोड़ असंगठित क्षेत्र में हैं,

(ख) क्या यह भी सच हैं कि इनमें से अधिकांश को न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिलती हैं,

(ग) क्या यह सच हैं कि अधिकांश फैक्टरियां तथा व्यापारिक संस्थान, जहां ये काम करते हैं, किसी अधिनियम के तहत नहीं आते हैं, और

(घ) क्या सरकार इन मजदूरों की मजदूरी समेंत दूसरे मामलों के निपटाने हेतु कोई एजेंसी बनायेगी तथा न्यूनतम मजदूरी को मुद्र-स्फीति के साथ जोड़ेगी ?

श्रम मंत्री (डा. सत्यनारायण जटिया) : (क) जी, हां ।(ख) जी, नहीं ।

(ग) जी, नहीं

(घ) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के अतंर्गत न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने और प्रवर्तन की जिम्मेदारी समुचित सरकार की हैं जिनके पास पहले की इस उद्देश्य के लिए प्रवर्तन तंत्र हैं । केन्द्रीय क्षेत्र के अंतर्गत अधिसूचित न्यूनतम मजदूरी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जुड़ी हुई हैं । राज्यों सरकारों को भी राज्य क्षेत्र के अंतर्गत न्यूनतम मजदूरी को उपभोकता मूल्य सूचकांक से जोड़ने का अनुरोध किया गया हैं और कुछ राज्य सरकारों ने तदनुसार कार्रवाई भी की हैं ।

Employment Exchanges Functioning in Andhra Pradesh

2215. DR. MOHAN BABU: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) the number of employment exchanges functioning in Andhra Pradesh at present, District-wise;

(b) the number of persons registered thereunder with each exchange;

(c) what steps have been taken by Government to provide employment to them in the near future; and

(d) whether Government propose to provide unemployment allowance to the jobless youths in the State?

THE MINISTER OF LABOUR (DR. SATYANARAYAN JATIYA): (a) and (b) The number of employment exchanges functioning in Andhra Pradesh and the number of job-seekers registered thereunder as on 31.3.98 is given in Statement enclosed *(see* below) District-wise information is not maintained.

(c) The Approach to the Ninth Plan envisages priority to agriculture and rural development with a view to generating adequate productive employment and eradication of poverty. Greater productive employment will be generated in the growth process itself by concentrating on sectors, sub-sectors and technologies which are labour intensive, in regions characterised by higher rates of unemployment and underemployment.

(d) Central Government has no proposal to provide unemployment allowance to the jobless youth.

Statement

Number of Job-Seekers on the Live Register of Employment Exchanges in Andhra Pradesh as on 31.03.98

(In Thousand)

Sl. No	Exchange	Live Register
1	2	3
1.	Adilabad	123.6
2.	Anantapur	124.3
3.	Chittoor	156.0
4.	Cuddopoh	122.4
5.	Eluru	101.7
6.	Guntur	116.3
7.	Hyderabad (T+C)	125.7
8.	Hyderabad (Labour)	50.0
9.	Hyderabad (P.H.)	4.8
10	Hyderabad (P&E)	67.1
11	Kakinada	140.8
12	Karimnagar	153.3
13	Khammameth	103.1
14	Kumool	127.6
15	Mehboobnagar	128.8'
16	Nalgonda	116.5
17	Nellore	97.7